

मेरा हैदराबाद

जो सचमुच दयालु है,
वही सचमुच बुद्धमान है
और जो दूसरों से प्रेम
नहीं करता उस पर ईश्वर
की कृपा नहीं होती।

आरआरआर (क्षेत्रीय रिंग रोड) दक्षिणी भाग को मंजूरी

सीएम रेवंत रेड़ी ने केंद्रीय सड़क परिवहन और राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की



नई दिल्ली, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। क्षेत्रीय रिंग रोड (आरआरआर)-दक्षिणी भाग (चौटप्पल - अमंगल - शादनगर - संगारेड्डी 182 किलोमीटर की दूरी पर) की घोषणा की बाधाएं दूर कर दी गई हैं। आरआरआर - उत्तरी भाग को राष्ट्रीय राजमार्ग के रूप में हाल ही में घोषित करने के बाद, मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय सड़क परिवहन और राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से आरआरआर दक्षिणी भाग को राष्ट्रीय राजमार्ग के रूप में अपग्रेड करने का अनुरोध किया। बैठक के तुरंत बाद, केंद्रीय मंत्री ने एनएचएआई (भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण) के अधिकारियों को आरआरआर के दक्षिणी खंड को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने के लिए प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया। आरआरआर मुद्दे के अलावा, सीएम रेवंत रेड्डी ने नितिन गडकरी से तेलगाना में राष्ट्रीय राजमार्गों के विस्तार के लिए अनुमति देने और कई महत्वपूर्ण राज्य राजमार्गों को राष्ट्रीय राजमार्गों में अपग्रेड करने की अपील की। मुख्यमंत्री ने राज्य में राष्ट्रीय राजमार्ग के रूप में विस्तारित की जाने वाली राज्य सड़कों की सूची केंद्रीय मंत्री को सौंपी और उन सड़कों को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने के महत्व को समझाया। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने आज (मंगलवार) दोपहर नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री से उनके आधिकारिक आवास पर मलाकात की। डेढ़ घंटे से अधिक की मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री का ध्यान राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों के विस्तार और राष्ट्रीय राजमार्ग कार्यों में आ रही चुनौतियों से दिलाया। बैठक में उपमुख्यमंत्री भद्री विक्रमार्थ, राज्य सड़क और भवन मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी, आर और बी सचिव श्रीनिवास राजू और तेलंगाना भवन (नई दिल्ली) के रेजिस्टेंट कमिश्नर

गौरव उपल ने भी भाग लिया। सीएम और केंद्रीय मंत्री ने चौटट्पल-भवनगिरि-तूपरान-संगारड़ी-कांडों को कवर करने वाले प्रिंग रोड (आरआरआर) उत्तरी भाग की सीमा में उपयोगिताओं (बिजली के खंभे, भवन आदि) को हटाने के संबंध में केंद्र और राज्य सरकार के बीच विवाद पर चर्चा की। कुछ महीने पहले, एनएचएआई अधिकारियों ने सुझाव दिया था कि उपयोगिताओं के स्थानांतरण की लागत राज्य सरकार द्वारा वहन की जानी चाहिए। चूंकि राज्य सरकार एनएचएआई की शर्त से सहमत नहीं थी, इसलिए इस मुद्रे पर गतिरोध जारी रहा। सीएम के रूप में कार्यभार संभालने के बाद, रेवंत रेड़ी ने एनएचएआई को एक पत्र भेजा जिसमें उपयोगिताओं के स्थानांतरण की लागत वहन करने पर सहमति व्यक्त की गई। बैठक में मुख्यमंत्री ने नितिन गडकरी के सामने इस मुद्रे

का जिक्र किया।

केंद्रीय मंत्री ने एनएचएआई अधिकारियों से इस मुद्दे पर पूछताछ की और राज्य सरकार से लागत वहन करने के लिए कहने पर नाराजगी व्यक्त की। एनएचएआई के केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यदि राज्य सरकार उपयोगिताओं के स्थानांतरण की लागत वहन करती है, तो टोल राजस्व का आधा हिस्सा राज्य सरकार को देना होगा। नितिन गडकरी ने आश्वासन दिया कि केंद्र उपयोगिताओं के स्थानांतरण की लागत वहन करेगा। केंद्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री से

सीएम ने केंद्रीय मंत्री को दिया इन सार्गों का पञ्चाव

नई दिल्ली, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री द्वारा प्रस्तुत राष्ट्रीय राजमार्गों के रूप में उन्नयन के प्रस्तावों का विवरण इस प्रकार है। प्रमुख रूप से 1.मारीकल-नारायणपेट-रामसमृद्ध-63 किमी., 2.पेद्वापली-कटारम-66 किमी., 3. पुल्लर-आलमपुर-जटाप्रोलू-पेंटलावेली-काल्हापुर-लिंगल-अचमपटा-डिंडी-देवराकोडा-मल्हेपली-नलगोडा-225 किमी., 4. वानापर्थी-कोठाकोटा-गडवाल-मंत्रालयम-110 किमी., 5. मन्नेगुडा-विकाराबाद-तंदर-ज़हीराबाद-बीदर-134 किमी., 6. करीमनगर-सिरिसिल्ला-कामोरड़ी-येलारड़ी-पिटलम-165 किमी., 7. येर्वावेली क्रांस-रोड-गडवाल-रायचूर-67 किलोमीटर, 8. जगित्याला-पेद्वापली-कलवा श्रीरामपुर-किष्मपेट-कल्वापली-मोरंचापली-रामप्पा मंदिर-जंगलपली-164 किमी., 9. सरपाका-एटुसन्गरम-93 किमी., 10. डुड्हेडा-कोमुरावेली-यदागिरिगुडा-रायगिरि चौराहा-63 किमी., 11. जगैयापेट-बायरा-कोठागुडेम-100 किमी., 12. सिरिसिल्ला-वेमुलावाडा-कोश्तला-65 किमी., 13. भूतपुर-नगरकर्नूल-मन्नानू-मद्दीमडुगु (तेलंगाना)-गंगलाकुटा-सिरिगिरिपाडु-166 किमी., 14. करीमनगर-रायपट्टनम-60 किमी शामिल हैं।

राज्यपाल ने अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम के 37वें जीएचएमसी का वार्षिक बजट 7,937 करोड़ रुपये सर्वसम्मति से अनुमोदित स्थापना दिवस समारोह में भाग लिया

स्वच्छता एवं विज्ञापन पर सदन समिति का गठन



हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की राज्यपाल और पुदुचेरी की उपराज्यपाल, डॉ. (श्रीमती) तमिलसाई सौदर्शराजन ने फरवरी में तेलंगाना के राजभवन में अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम के 37वें स्थापना दिवस के राज्य समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत राज्यपाल द्वारा दोनों राज्यों के लोगों को उनके स्थापना दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं देने के साथ हुई। उन्होंने इस तरह के साथेक

प्रदेश और दोक्षण भारत के बीच एक व्यावहारिक संबंध दर्शाया कार्यक्रम में अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम दोनों के राज्यपालों के बीडियो संदेश शामिल थे। यह उत्सव जीवंत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से जीवंत हो उठा, जिसमें दोनों राज्यों के प्रतिभाशाली प्रतिभागियों का आकर्षक बांसवन्ना नृत्य भी शामिल था। कार्यक्रम का संचालन आर.लालहरियातपुर्झ ने किया।

हैदराबाद, 20 फरवरी। (स्वर्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर नियंत्रण ने मंगलवार को परिषद में वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 7,9 करोड़ रुपये के अनुमानित बजट मंजूरी दे दी। हैदराबाद महानगर नियंत्रण की नियमित बैठक, सोमवार को स्थगित कर दी गई। मंगलवार सुबह फिर से शुरू और जीएचएमसी परिषद की बैठक में विजयलक्ष्मी की अध्यक्षता से शुरू हुई। इस बैठक में कुल 7,9 करोड़ रुपये का अनुमानित बजट पेश किया गया। मयर गदवी विजयलक्ष्मी ने घोषणा की कि बैठक में सभी ने सर्वसम्पत्ति से बजट को मंजूरी दे दी। कुल बजट 7,9 करोड़ रुपये है जिसमें से राजस्व आय 5,938 करोड़ रुपये तथा राजस्व व्यय 3458 करोड़ रुपये। राजस्व अधिकारी ने कहा कि रुपये, पंजीयन प्राप्ति 4479 करोड़ रुपये, पंजीयन व्यय 4,479 करोड़ रुपये और कुल व्यय 7,937 करोड़ रुपये है। इससे पहले सुबह बैठक की शुरुआत में स्वच्छता ने नियोजन, खेल और संपत्ति कर बाकी पहलुओं पर सवाल-जवाब का कार्यक्रम जारी रहा। इस अवधि

स्वच्छता एवं विज्ञापन पर सदन समिति का गठन

पर कई नगरसेवकों ने कहा कि उनके संबंधित प्रभागों में खेल मैदानों का प्रबंधन उचित नहीं है और सुविधाएं बनाने के लिए तुरंत कदम उठाने का अनुरोध किया गया है। कई पार्षदों ने संबंधित अधिकारियों की फिलाई पर नाराजगी व्यक्त की है। जोनल आयुक्तों, संबंधित अधिकारियों और पार्षदों को समस्याओं के बारे में फोन करने पर जवाब देना चाहिए और महापौर ने आयुक्त को मामले की समीक्षा करने की सलाह दी है। पार्षदों ने जीएचएमसी से संपत्ति कर के संग्रह पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा, बल्दिया में संपत्ति कर का उचित संग्रह, जीएचएमसी के लिए आय का एक प्रमुख स्रोत है। संबंधित अधिकारियों ने संपत्ति कर के अॉनलाइन स्व-मूल्यांकन प्रक्रिया के बारे में बताया। पार्षदों ने महापौर से संपत्ति कर भुगतान के लिए एकमुश्त समाधान योजना को फिर से लागू करने और आयुक्त के माध्यम से सरकार को प्रस्ताव भेजने की मांग की। उन्होंने कहा कि आवासीय अनुमति ली जा रही है और उसे रातों-रात कॉम्पर्शियल में तब्दील किया जा रहा है और उनके खिलाफ कारबाई करने को कहा है। इस मौके पर कमिश्नर रोनाल्ड रोज ने कहा कि जीएचएमसी को आने वाली आय का एक बड़ा हिस्सा आयकर संग्रह से आता है और उन्होंने कहा कि शहर दिन-ब-दिन विकसित हो रहा है और जीएचएमसी का राजस्व बढ़ाने के लिए उचित कदम उठाए जा रहे हैं और आवासीय के लिए टैक्स तय करने का तरीका कानून में है। गैर-आवासीय की कई श्रेणियां हैं जहां जीएएस मैपिंग के माध्यम से दरवाजा संख्या का युक्तिकरण किया जाता है। उन्होंने कहा कि कर संग्रह की दुनिया में समस्याएं हैं और समीक्षा में समाधान तलाशे जा रहे हैं। निवासियों और गैर-निवासियों के लिए कर की दरें अलग-अलग हैं। दर परिवर्तन पर 2017 और 2019 में जीओ जारी किए गए थे हम सरकार द्वारा गरीबों को बांटा जाने वाले डिप्रिटी हाउस को डो नंबर देने के लिए कदम उठा रहे हैं इसके उल्ट शहर के ओयो होटल्स और हॉस्टलों की जांच कर टैक्स वसूलने पर कारबाई की जायेगी टैक्स वसूली में हम कानून का पालन कर रहे हैं। नियमों का उद्घां

गंगापुर मेले का भव्य आयोजन किया जाये : जिला कलेक्टर

आसिफाबाद, 20 फरवरी
(स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर
हेमन्त बोरकड़े ने कहा कि जिले
के रेबेना मंडल गंगापुर में हर वर्ष
आयोजित होने वाली श्री
बालाजी वैंकटेश्वर स्वामी जातरा
के तहत इस माह की 23, 24
एवं 25 तारीख को आयोजित
होने वाली जातरा को
अधिकारियों के समन्वय से

सफलतापूर्वक आयोजित किया
जाए।

जिला अपर समाहर्ता दीपक
तिवारी, मंदिर के कार्यकारी
अधिकारी बापारेण्डी और समिति
आयोजकों ने मंगलवार को
गंगापुर देवस्थानम के परिसर में
बैठक की। इस अवसर पर
जिलाधिकारी ने कहा कि मेले में
स्वच्छता कार्यों की विशेष



निगरानी हेतु 60 कार्मिकों की नियुक्ति की गयी है तथा पेयजल हेतु ग्रामीण सिंचाई विभाग एवं मिशन भागीरथ के निर्देशन में 5 पानी की टंकियां स्थापित करायी जायें। भक्त सीआई को शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने के उपाय करने के साथ-साथ वाहन नियंत्रण एवं यातायात व्यवधान रहित रुकने के स्थान की व्यवस्था करने को कहा गया है।

जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के उप चिकित्सा अधिकारी सुधाकर नाईक को आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं के लिए चिकित्सा शिविर स्थापित करने और आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराने

के लिए डॉक्टरों और कर्मचारी की नियुक्ति करने और 1 एम्बुलेंस और अस्थायी बिसिन्स की व्यवस्था करने के निर्देश दिया गया। जिला ग्रामीण विवर अधिकारी सुरेंद्रन को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। मेला जारी रहने के दौरान बिजली की कोई बाधा न हो और सुनिश्चित करने के लिए उपाय करें कि मेला प्लासिल योत्सना, मंडल परिषद विवर अधिकारी शंकरम्मा, एम.पी.सौदर्या, जेड.पी.टी.सी. संत संबंधित अधिकारी, मंदिर सभा के प्रतिनिधि एवं अन्य त्रिपुरा मिल हए।

‘मानव तस्करी से निपटने और लापता व्यक्तियों का पता लगाने’ पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित



सी. बनर्जी, आईआरपीएफएस
सीनियर डीएससी, रेलवे सुरक्षा बल
सिकंदराबाद डिवीजन्, सुश्री एरि-
फिशर, विदेशी आपाराधिक अन्वेषक
बचपन बचाओ राज्य समन्वयक और
की टीम अमेरिकी वाणिज्य दूतावास
की गरिमामयी उपस्थिति रही। डूडाट
भाषण देते हुए, सुश्री रेमा राजेश्वरी
डीआइजी महिला सुरक्षा विंग
श्रीमती शिखा गोयल, एडीजी महिला
सुरक्षा विंग के विजन स्टेटमेंट का
रखाकित किया, जिनके मार्गदर्शन में
आज के प्रशिक्षण सत्रों को माना
तस्करी से निपटने के विभिन्न पहलुओं
को कवर करने के लिए सावधानीपूर्वक
डिजाइन किया गया था। लापता
बच्चों का पता लगाना, बचाव और
पुनर्वास के लिए मानक संचालन
प्रक्रियाएं (एसओपी), प्रौद्योगिकी का
उपयोग, धोखाधड़ी वाले यात्रा
दस्तावेजों का पता लगाना और का
हितधारकों के साथ सक्रिय सहयोग
की आवश्यकता है। शिखा गोयल
कहा कि महिला सुरक्षा विंग ने तस्करी

के लिए यूनिसेफ, महिला और बाल कल्याण विभाग, सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों, नागरिक समाज भागीदारों आदि जैसे अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ काम किया है।

* : श्रद्धाजाल आपतकातः : *

प्रेमलता (धर्मपत्नी) नीतु-अमरसिंहजी, रेखा-मनोहरसिंहजी,
 मीना-मनोहरसिंहजी, डिप्पल-प्रेमसिंहजी, पिंकी-अवतारसिंहजी,
 इन्द्रा-हितेशसिंहजी (पुत्री-दामाद), सूरज, नेहा, दिव्या, रोशनी,
 रियरन, जितेन्द्र, मोहित, हंसिका, विशाल, राहुल, आदित्य,
 तनिशा, प्रियांश, यशवन्त, मुनमुन (दोयता-दोयती)
 एवं राजपुरोहित परिवार

: फर्म : श्री हनुमान ज्वैलर्स



बुधवार, 21 फरवरी 2024

यूपी विहार स्वतंत्र वार्ता, हैदराबाद



अगले 12 घंटे होगी झामाझाम वारिश

कलेगी आधंी, आईएमडी की नई चेतावनी जारी

मेरठ, 20 फरवरी (एजेसियां)। यूपी में वारिश का दौर जारी है। परिचयमी विक्षेप के असर वहाँ से आज प्रदेश में औले गिर सकते हैं। इसी ही, यूपी के कई इलाकों में तेज हवाएं चलने की संभावना है।

मौसम विभाग की नई भविष्यत्वाणी

मौसम विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में प्रदेश में मौसम साफ रहा। मौसम विभाग के मुताबिक, आज फरवरी को प्रदेश के कुछ इलाकों में गरज चक्रम के साथ वारिश पड़ने की संभावना है। वहीं, पूर्वी यूपी में एक-दो इलाकों में तेज हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटे) चलने की संभावना है और परिचयमी यूपी के कुछ इलाकों में तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटे) चलने की संभावना है। इसके साथ ही, परिचयमी यूपी के इलाकों में ओलावृष्टि पड़ने की संभावना है।

इन जिलों में अलर्ट जारी

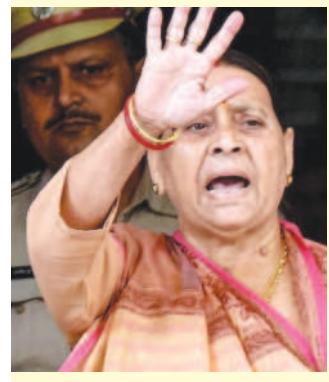
मौसम विभाग ने यूपी के बदौयू, आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद, मुगादाबाद, नाला, मैनपुरी, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, जग्याजिबाद, बागपत, सहारनपुर, मेरठ समेत 20 जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है।

23 फरवरी को बढ़दलागा मौसम

मौसम में यह बढ़दलाग 22 फरवरी तक जारी रहेगा। मौसम विभाग ने यह अनुपान जलता है कि 23 फरवरी से मौसम साफ हो जाएगा। ऐसे में 22 फरवरी तक बारिश, आधंी और ओलावृष्टि की संभावना बनी रहेगी।

'हमने नहीं बुलाया,

खुद ही आए थे', रावड़ी देवी का नीतीश कुमार पर निशाना



पटना, 20 फरवरी (एजेसियां)। विहार की पूर्व मुख्यमंत्री रावड़ी देवी ने सीएम नीतीश कुमार को निशाने पर लिया है। उन्होंने कहा कि पिछली बार भी उन्होंने (नीतीश कुमार) पलती मरी थी तब वे खुल्ह हो आए थे, हमने नहीं बुलाया था। अपने जाते हैं। विहार के खुम्खंयी और जनता दल यूनाइटेड (जड़ीभूत) के अध्यक्ष नीतीश कुमार ने पिछले दिनों महागठबंधन का साथ छोड़ दिया था और बीजेपी के साथ एनडीए में शामिल हो गए थे और 9वीं बार सीएम पद की शपथ ली। इसी को लेकर राष्ट्रीय तात्त्व दल (आरजेडी) की नेता रावड़ी देवी ने बार किया है।

जांच पर रावड़ी देवी का बयान
लालू परिवार के खिलाफ नीतीश कुमार के जांच वाले बायान पर रावड़ी देवी ने कहा, "जांच होने दीजिए, 25 साल से हमारे तराज आज ही है, लैंकिंग कहाँ कोई नहीं नाला निकल कर आ रही है। हमारे साथ देश और बिहार की जनता है।" बयान देते समय रावड़ी देवी के गोद में तेजस्वी यादव की बेटी कात्यानी भी थी। तेजस्वी यादव ने आज से विहार में जन विधायकों की शुश्राता की है। उन्होंने इस मैके पर मां रावड़ी देवी और पिता लालू यादव से आशीर्वाद लिया।

2 साल तक नहीं मनाई

सुहागरात पति पर लगवाई 7 धाराएं
मुजफ्फरपुर, 20 फरवरी (एजेसियां)। मुजफ्फरपुर में एक महिला ने शारीरिक संबंध नहीं बनाने पर अपने पति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। महिला थाना पुलिस ने पति के साथ आमजद किया है। अब पुलिस ने पति के खिलाफ एकलाइन जालाके के एक गांव की बहन वाली है। जबकि आरोपी पति अहियापुर थाना इलाके को रहने वाली है। थाने में दर्ज एफआईआर में पिंडित ने बताया, "भौंगी शादी 31 मई 2021 को हुई थी। शादी के बाद मैं अपने समुराल चली गई। मेरे पति शादी के दो साल बाद तक मेरे साथ शारीरिक संबंध नहीं बनाए। तब अपने सप्ताह बालों को बताया। लैंकिन उन्होंने भी पति को नहीं समझाया। फिर पिंडित ने अपने पति से कहा, आप संबंध क्यों नहीं बनाते? लैंकिन वह अक्सर गाली-गाली करते हुए मारपीट करता था।

पति पर लगवाई 7 धाराएं

मुजफ्फरपुर, 20 फरवरी (एजेसियां)। मुजफ्फरपुर में एक महिला ने शारीरिक संबंध नहीं बनाने पर अपने पति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। महिला थाना पुलिस ने पति के खिलाफ एकलाइन जालाके के एक गांव की बहन वाली है। जबकि आरोपी पति अहियापुर थाना इलाके को रहने वाली है। थाने में दर्ज एफआईआर में पिंडित ने बताया, "भौंगी शादी 31 मई 2021 को हुई थी। शादी के बाद मैं अपने समुराल चली गई। मेरे पति शादी के दो साल बाद तक मेरे साथ शारीरिक संबंध नहीं बनाए। तब अपने सप्ताह बालों को बताया। लैंकिन उन्होंने भी पति को नहीं समझाया। फिर पिंडित ने अपने पति से कहा, आप संबंध क्यों नहीं बनाते? लैंकिन वह अक्सर गाली-गाली करते हुए मारपीट करता था।

22 को वाराणसी पहुंचेंगे पीएम मोदी

66 मेधावियों को देंगे

स्कॉलरशिप

वाराणसी, 20 फरवरी (एजेसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 फरवरी को दो दिवसीय दौरे पर काशी आयें। आजों दिन 23 फरवरी को सबसे पहले सुबह लगभग 8 बजे में संस्कृत भवन, बीचय में संस्कृत भवन, विश्वविद्यालय के बीच 2023 व 2024 के बेटे, मीमांसा समेत 22 विभागों के टॉपर 66 छात्रों को स्कॉलरशिप देंगे।

इसके अलावा विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए निश्चालक पुस्तकें व वस्त्र तथा शिक्षक व चर्थंथ श्रियों को दो जोड़ी वस्त्र व पुस्तकें तथा 38 संस्कृत विश्वविद्यालय के बीच वाराणसी के बीच वाराणसी के छात्रों को देंगे।

फोटो प्रदर्शनी को भी देंगे पीएम मोदी प्रधानमंत्री इस दौरान फोटो प्रदर्शनी



प्रतियोगिता में विजेता टीम को पीएम देंगे पुरस्कार

इसी क्रम में प्रधानमंत्री श्रीकाशी विश्वविद्यालय की ओर से कराए गए संस्कृत प्रतियोगिता, प्रश्नावान की ओर से कराए गए संसाद ज्ञान प्रतियोगिता व फोटो प्रतियोगिता के पांच-पांच विजेताओं व टीम को पुरस्कृत करेंगे।

पांच लोगों को वस्त्र व किटावें अपने हाथ से देंगे।

फोटो प्रदर्शनी को भी देंगे पीएम मोदी प्रधानमंत्री इस दौरान फोटो प्रदर्शनी

माफिया अतीक अहमद के परिवार की मदद करने वाले योगी ने की बड़ी कार्रवाई



प्रयागराज, 20 फरवरी (एजेसियां)।

माफिया अतीक अहमद के दबाव में वक्फ के अवैध तरीके से लोजी पर दिए जाने के मामले में योगी की सरकार ने उसके अवैध तरीके से लोजी पर दे दी थी।

शानदार मकान के साथ ही कुछ दुकानें भी बनवायी ली

वक्फ की प्रार्थी कौड़ीयों के भाव माफिया अतीक के भाई अशरफ की पत्नी जैनव फारिता के दूसरे लोगों को लोजी पर दी गई थी। जैनव वा उसके आदेषों ने इस मुतवली की नियुक्ति के आदेष भी जारी कर दिए। योगी के आदेष भी जारी कर दिए।

हालांकि गिरफतारी के डर से वह लगातार फरार चल रहा है। गैरितलब वही कि प्रयागराज के प्रापुरामी थाना के अंकुर तरीके से वक्फ के अवैध तरीके के दूसरे लोगों को लोजी पर दी गई थी। जैनव वा उसके आदेष भी जारी कर दिए। योगी के आदेष भी जारी कर दिए।

हालांकि गिरफतारी के डर से वह लगातार फरार चल रहा है। गैरितलब वही कि प्रयागराज के प्रापुरामी थाना के अंकुर तरीके से वक्फ के अवैध तरीके के दूसरे लोगों को लोजी पर दी गई थी। जैनव वा उसके आदेष भी जारी कर दिए। योगी के आदेष भी जारी कर दिए।

योगी के आदेष भी जारी कर दिए। योगी के आदेष भी जारी कर दिए। योगी के आदेष भी जारी कर दिए। योगी के आदेष भी जारी कर दिए। योगी के आदेष भी जारी कर दिए। योगी के आदेष भी जारी कर दिए।

योगी के आदेष भी जारी कर दिए। योगी के आदेष भी जारी कर दिए। योगी के आदेष भी जारी कर दिए। योगी के आदेष भी जारी कर दिए। योगी के आदेष भी जारी कर दिए। योगी के आदेष भी जारी कर दिए।

योगी के आदेष भी जारी कर दिए। योगी के आदेष भी जारी कर दिए। योगी के आदेष भी जारी कर दिए। योगी के आदेष भी जारी कर दिए। योगी के आदेष भी जारी कर दिए। योगी के आदेष भी जारी कर दिए।

योगी के आदेष भी जारी कर दिए। योगी के आदेष भी जारी कर दिए। योगी के आदेष भी जारी कर दिए। योगी के आदेष भी जारी कर दिए। योगी के आदेष भी जारी कर दिए। योगी के आदेष भी जारी कर दिए।

योगी के आदेष भी जारी कर दिए। योगी के आदेष भी जारी कर दिए। योगी के आदेष भी जारी कर दिए। योगी के आदेष भी जारी कर दिए। योगी के आदेष भी जारी कर दिए। योगी के आदेष भी जारी कर दिए।

योगी के आदेष भी जारी कर दिए। योगी के आदेष भी जारी कर दिए। योगी के आदेष भी जारी कर दिए। योगी के आदेष भी जारी कर दिए। योगी के आदेष भी जारी कर दिए। योगी के आदेष भी जारी कर दिए।

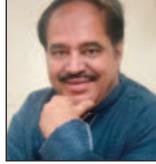
योगी के आदेष भी जारी कर दिए। योगी के आदेष भी जारी कर दिए। योगी के आदेष भी जारी कर दिए। योगी के

नक्सली हमला बनी चुनौती

छत्तीसगढ़ में नक्सली समस्या कोइ नइ नहा है। इस समस्या से निजात पाने के लिए तरह-तरह के जतन किए गए लेकिन समस्या जस की तस है। अब तो यह इतना व्यापक रूप ले चुका है कि इससे निपटने में छत्तीसगढ़ सरकार को भी पसीना आने लगा है। आए दिन नक्सलियों द्वारा अचानक किए जा रहे हमले से सशस्त्र बलों का बड़ा नुकसान हो रहा है। एक ओर तो सरकारें दाव करती रहती हैं कि नक्सलियों पर काफी हद तक नकेल कसी जा चुकी है, लेकिन हकीकत तो यही है कि नक्सली जब चाहें तब सर-बाजार किसी सुरक्षाकर्मी को अपना शिकार बना लेते हैं। यहां तक कि बीजापुर जिले में एक कमांडर की कुल्हाड़ी मार कर हत्या कर दी गई। ऐसे बाजार में नक्सलियों ने कुल्हाड़ी से छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल के एक कंपनी कमांडर का गला काट दिया। इसके पहले कई बार वे बारूदी सुरंग बिछा कर या उनके शिविर और काफिले पर सीधे हमला कर बड़ी संख्या में सुरक्षा कर्मियों को नुकसान पहुंचा चुके हैं। इस समस्या से निपटने के लिए पिछली सरकारों ने नक्सलियों को मुख्यधारा में लाने के लिए कई योजनाएं चलाईं। वनोपज और हस्तशिल्प की खरीद की दरें तय कर दी गईं, ताकि आदिवासी समूह आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें। जाहिर है यदि आदिवासी संपन्न होते हैं तो वे नक्सलियों के प्रभाव से मुक्त हो सकते हैं। लेकिन उक्त सारी सरकारी योजनाओं का भी वही हश हुए जो अक्सर होता आया है। यही वजह है कि एक अपराधी सेरेआम कुल्हाड़ी से एक सुरक्षा अधिकारी की हत्या कर आसानी से गायब हो जाता है और भीड़ उसे रोकती तक नहीं। जाहिर है, उन्हें स्थानीय लोगों का समर्थन प्राप्त है। नक्सलियों से निपटने के लिए अक्सर उनके दमन का रास्ता ही अखिलयार किया जाता रहा है। उनसे बातचीत के जो भी प्रयास हुए, उससे बात नहीं बन सकी। ज्यादातर नक्सली हमलों में देखा गया है कि उनके पास अत्यधिक हथियार और सूचना संसाधन मौजूद हैं। वे सुरक्षाबलों की गतिविधियों और काफिले वर्गरह का सटीक पता लगा लेते हैं। जिससे बारूदी सुरंग बिछा कर सशस्त्र बलों पर हमला कर देते हैं। प्रशासन व शासन आज तक पता नहीं लगा सकी है कि आखिर उनके पास इतने हथियार और साजो-सामान कहाँ से और कैसे पहुंच रहे हैं।

सुरक्षाक्षवलों की नजर से वे रास्ते भी कैसे बचे हैं जिससे होकर उनका साजो-सामान एक जगह से दूसरी जगह पहुंच रहा है। हालांकि इसके कुछ तथ्य उजागर हुए हैं। जबरन वसूली और मादक पदार्थों की बिक्री से वे अपना वित्तीय ढांचा मजबूत कर पाने में सफल हो जाते हैं। मगर ड्रोन, हेलीकाप्टर आदि का इस्तेमाल होने के बावजूद वे कैसे सुरक्षा इंतजामों को चकमा दे पा रहे हैं, कैसे स्थानीय लोगों का उन्हें समर्थन लगातार मिल पा रहा है, इस पर प्रशासन को गंभीरता से सोचने की ज़रूरत है। सबसे अहम बात तो यह है कि नक्सली आखिर क्यों व्यवस्था के लिए चुनौती बन चुके हैं। उनकी मांगों को सुनने और उनका कोई व्यावहारिक रास्ता निकालने का प्रयास क्यों नहीं किया जाता। यदि बातचीत की जाए तो शायद कोई रास्ता निकल जाए। देखा जाए तो आदिवासी समुदाय के भीतर यह भय लगातार बना हुआ है कि उनकी जमीन और जगल हड्डप कर सरकार खनिज निकालने वाली कंपनियों को सौंप देना चाहती है। ऐसा अनेक जगहों पर हो भी चुका है। विकास के नाम पर जो भी सरकार सत्ता में आती है तो अंततः वह खनिज वाली जगहों का ही दोहन करती है। पेच यहीं फंसता है कि आदिवासी इसके लिए तैयार नहीं हैं। उनके इलाकों में स्कूल, चिकित्सालय, सड़क-बिजली-पानी की सुविधा पहुंचाई गई, लेकिन इससे उनका मन नहीं बदला है, तो इसके लिए दूसरे रास्तों की तलाश जरूरी है। नाराज आदिवासी ही प्रायः नक्सली समूहों को पनाह देते देखे जाते हैं। हालांकि छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद अपने सिद्धांत से काफी भटक चुका है, जो सरकारों के लिए चुनौती बना हुआ है। इस समस्या के निदान के लिए सरकारों को ही पहल करना होगी।

असफलता ही सफलता का मार्ग



संजीव ठाकुर

होता है जार असफलता ऐसा स्वाद है जिसे हर व्यक्ति ने जीवन में कभी ना कभी जरूर चखा होगा। असफल होने से निराश होने की आवश्यकता नहीं है। महापुरुषों ने कहा है कि असफलता यह दर्शाती है कि आपने प्रयास पूरे मन से नहीं किया है अतः असफलता के बाद सफलता के लक्ष्य को निर्धारित कर पूर्ण मनोयोग से कर्म की वेदी पर अपना शीश नवाना चाहिए। जीवन में असफलता किसी लक्ष्य को स्थापित करने का ही परिणाम है, इसीलिए इसे बड़े ही सौजन्यता से, सहज तरीके से आत्मसात करना चाहिए। सकारात्मक तरीके से आत्मविश्वास के साथ स्वीकार की गई असफलता मनुष्य को बड़े लक्ष्य की ओर प्रयास करने के लिए संकेत देती है। बिना असफलता के सफलता कोई भी स्तरात् नहीं देती है। असफलता के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सदैव सफलता को सीढ़ी चढ़कर हमें वहां पहुंचने की आवश्यकता है। आत्मविश्वास का अर्थ शक्ति और ऊर्जा तो है और यह संपूर्ण रूप से हमारे प्रयासों हमारे संकल्प और साहब से जुड़ा हुआ प्रतिफल भी है। आज भारत विश्व का सबसे बड़ा युवा देश है। हमारे देश के लाखों, करोड़ों युवाओं का जीवन लक्ष्य हीन है वे बहुत सारी इच्छाएं और महत्वकांकी रखते तो हैं पर उसके पीछे कड़ी मेहनत पक्का इरादा नहीं रखने की भूल कर देते हैं और यही कारण है कि वे जीवन में इधर उधर भटक कर अत्यंत निराश होकर अपने जीवन को नशे और अन्य निराशाजनक मार्ग को अपना लेते हैं। प्रयास तथा कठिन परिश्रम की कमी ही युवा वर्ग की भटकाव की स्थिति की परिणामित है। आज का यत्न बिना

स्वाद नहीं दिता है। असफलता के बाद ही सफलता के के लिए किए गए प्रयासों का महत्त्व मनुष्य को अपने जीवन में पता लगता है। शायर फैज अहमद फैज ने कहा है दिल ना उम्मीद तो नहीं नाकाम ही तो है, लंबां है गम की शाम मगर शाम ही तो है। असफलता सफलता की पहली सीढ़ी है और यह सामान्य मानवीय कृत्य भी है। असफल होने के कारणों का पता लगाकर सफलता के लिए प्रयास हमेशा हमें दोगुना कर देना चाहिए। यह भी जरूरी नहीं है कि एक बार सफल होने के बाद मनुष्य सदैव सफल ही होता रहे इसके लिए मनुष्य को लगातार चिंतनशील, आत्म विश्वासी, साहसी और सर्तक होना पड़ेगा। सफल होने के लिए हमेशा हुनरवान होना होगा जिससे इसी परिणाम हो। आज का युवा बिना सुनियोजित प्रयास के लक्ष्य की प्राप्ति की आकंक्षा रखने लगे हैं और असफल होने के बाद उसका मूल्यांकन ना कर असफल होकर किसी अन्य मार्ग को चुनने के लिए बाध्य हो जाते युवाओं की यह मानसिक स्थिति बड़ी आया हुआ है जो समाज के लिए निर्णायक सावित होती है और एक बड़ा युवा वर्ग गलत मार्ग की ओर प्रशस्त हो जाता है। ऐसे में युवाओं का जीवन बहुत ही कष्टदायक हो सकता है। युवा वर्ग को चाहिए कि लक्ष्य निर्धारित कर उसके लिए निरंतर कोशिश है और निरंतर श्रम करना चाहिए इसके बाद भी यदि असफलता मिलती है तो सम्यक मूल्यांकन कर असफलता के कारणों की दूर कर दुगनी रफ्तार से मेहनत कर उच्च लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं।



अशोक भाटीय

बुजुर्गों के लिए सरकार को बहुत कृषि करने की जरूरत

देश में 78% सानियर सिटीजंस के पास पेंशन का सहारा नहीं है। 60 साल से ऊपर के केवल 18% लोगों के पास हेल्थ इंश्योरेंस है। बुजुर्गों के जीवन-यापन के मासिक खर्च का 13% हिस्सा हेल्थ से जुड़े खर्चों का है। इन बातों हवाला देते हुए नीति आयोग ने कहा है कि स्थिरायरमेंट के बाद बुजुर्गों की आर्थिक स्थिति खराब होने का खतरा है, लिहाजा सरकार को बुजुर्गों के लिए अनिवार्य बचत योजना, कर सुधारों और हाउसिंग के मार्चें पर कदम उठाना चाहिए। नीति आयोग ने एक रिपोर्ट जारी की है, 'सीनियर केयर रिफॉर्म्स इन ईडिया - रीइमैजिनिंग द सीनियर केयर पैराडाइम'। इसमें कहा गया है कि बुजुर्गों के लिए एक नेशनल पोर्टल बनाया जाना चाहिए जिसके जरिए वे सेवाओं का उपयोग कर सकें। इसमें कहा गया कि अभी 12.8% लोग 60 साल से ज्यादा उम्र के हैं। साल 2031 तक ऐसे करीब 13.2% लोग होंगे और 2050 तक आंकड़ा लगभग 19% हो जाएगा। 2021 से 2031 के बीच डिपेंडेंसी रेशियो 15.7% से बढ़कर 20.1% हो जाने का अनुमान जताते हुए कहा गया कि इससे वर्किंग पॉपुलेशन की आर्थिक जिम्मेदारियां बढ़ेंगी। गौरतलब है कि बुजुर्गों की आज की हालात देखते हुए ही नीति आयोग ने यह संज्ञान लेते हुए सरकार पर जोर दिया है। ये कहनियां अक्सर अख्खावारों में पढ़ी जाती है कि बृद्धाश्रम में रहने वाली 75 वर्षीय एक वृद्ध महिला के दो बेटे थे। वडे बेटे ने यह कहकर अपनी माँ का सामान घर से बाहर फेंक दिया कि मेरे घर में तुम्हारे लिये जगह नहा है और न हा तुम्हारे वक्त की रोटी है। साथ वहूं ने भी कह दिया कि जाओ लेकिन मेरे घर दूसरी ओर, एक बेटा 35 वर्षीय तीर्थस्थान पर घुमाने वें चला गया जिससे माँ दो आ सके। वहाँ, एक 80 वार-चार-चार करोड़पति बेटे अपनी माँ को घर से 1 'तुमसे बदबू आती है।' कहानियाँ केवल इन वृद्धों हैं बल्कि वृद्धाश्रम में रहने वालों की ऐसी ही अपनी जिन्हें सुनकर किसी भी में आँसू आ जाएँगे लेकिन यह है कि इन वृद्धों माँ-बाप तक पहुँचाने वाले लोग तब बल्कि हमारे-आपके बीच जिनके कारण धरती परा कहे जाने वाले माँ-बाप होते हुए दर-दर भटकते बार तो माँ-बाप अपनी इतने असहाय हो जाते हैं वे अपनी जीवनलीला ही हैं। वे बच्चे जिनके लिये इच्छाओं का त्याग कर देकर लिये अपना सब कुछ को तैयार रहती हैं; जिनके रात पसीना बहाता है पकड़कर चलना सिखाता है खड़े होते ही सब कुछ जो जाने पर जब माँ-बाप ज्यादा ज़रूरत होती है तब अपने माता-पिता बोझ ले शायद इसीलिए आज देश पड़ रहे हैं। बताया जाता

नने के लिये दो छोटे बेटे और कहीं भी चली मत आना।' भी बूढ़ी माँ को बहाने छोड़कर घर वापस न वर्षीय वृद्धा के ने यह कहकर ताल दिया कि हृदय विदारक ताओं की नहीं सभी बूढ़ी माँ-पनी दास्तान हैं विक्त की आँखों शर्चर्य की बात को ऐसी हालत बाहर से नहीं से ही आते हैं गवान का रूप अपने बच्चों के पड़ता है। कई तान के सामने थक-हारकर माप्त कर लेते हुए; उनकी खुशी यौथावर करने ये पिता दिन-जिन्हें उँगली अपने पैरों पर जाते हैं। वृद्ध उनकी सबसे उन्हीं बच्चों को लगते हैं, और वृद्धश्रम कम कि भारत में बुजुगों के परित्याग का एक मुख्य कारण बदलती सामाजिक गतिशीलता और पारिवारिक संरचना है। संयुक्त परिवर्गों से छोटे परिवारों में बदलाव अक्सर बुजुग माता-पिता या रिश्तेदारों को अलग-थलग और असमर्थित बना देता है। इसके अलावा, बदलते सामाजिक मानदंडों और युवा पीढ़ी पर बढ़ते वित्तीय दबाव के कारण परिवार के बुजुर्ग सदस्यों की देखभाल के लिए संसाधनों या इच्छा की कमी हो सकती है। इसका परिणाम परित्याग है। बुजुगों के परित्याग में योगदान देने वाला एक अन्य कारक आर्थिक चुनौतियाँ हैं। गरीबी, बेरोजगारी और बुनियादी स्वास्थ्य देखभाल तक सीमित पहुंच के कारण बुजुगों को उचित देखभाल प्रदान करना चुनौतीपूर्ण हो गया है। सीमित वित के साथ, परिवार अक्सर अपने बुजुर्ग प्रियजनों की स्वास्थ्य संबंधी और भावनात्मक जरूरतों को पूरा करने में खुद को असमर्थ पाते हैं। कुछ परिवार हताशा के कारण अपने बुजुर्ग रिश्तेदारों को भी त्याग देते हैं। भारत के कई हिस्सों में बुजुगों के अधिकारों और जरूरतों के बारे में जागरूकता की कमी है। बुजुर्ग व्यक्तियों को सामाजिक कलंक, भेदभाव और उपेक्षा का सामना करना पड़ता है जिसके परिणामस्वरूप परित्याग हो रहा है। सहानुभूति की कमी बुजुगों के प्रति तिरस्कारपूर्ण रखैये को बढ़ावा देती है, जिसके परिणामस्वरूप अलगाव होता है। इन मुद्दों के समाधान के लिए जागरूकता, समाज को संवेदनशील बनाने और युवा पीढ़ी को बुजुगों की देखभाल के मूल्य और महत्व के बारे में शिक्षित करने की आवश्यकता है। भारत में बुजुगों के परित्याग को संबोधित करने में स्वयंसेवा और सामुदायिक भागीदारी महत्वपूर्ण व्यक्ति, गतिविधि सकते हैं। मनोरंजन सहायता बुजुर्ग ल उनके ज सकते हैं और अ में मदद बीच की सकता है केंद्र ऐसे जो बुजुर्ग को बढ़ावा न केवल बल्कि ए का निम के ज्ञान उम्र बढ़ कलंक के लिए महत्वपूर्ण बुजुगों की प्रति संवेदन देखभाल महत्व मीडिया व्यक्तियों बढ़ावा में टेलीविज मीडिया कहानियाँ आँकड़े आवश्यक हैं।

भूमिका निभा सकती है। ममह और संगठन स्वयंसेवी में सक्रिय रूप से भाग ले इसमें सहयोग प्रदान करना, कार्यक्रम आयोजित करना और बवाएँ प्रदान करना शामिल है। इसके साथ जुड़कर, स्वयंसेवक न पर सकारात्मक प्रभाव डाल इसपे उन्हें अकेलेपन से निपटने पर की भावना विकसित करने लगती है। यह युवा और वृद्ध के दूरी को पाटने में भी मदद कर स्कूल, कॉलेज और सामुदायिक योग्यक्रम आयोजित कर सकते हैं के प्रति समझ और सहानुभूति देना जरूरी है। इन पहलों से बुजुर्गों को लाभ हो सकता है। दयालु और समावेशी समाज भी होता है जो वृद्ध व्यक्तियों और अनुभवों को महत्व देता है। और बुजुर्गों की देखभाल से जुड़े र गलतफहमियों को दूर करने कश्चा और जागरूकता अभियान है। शैक्षणिक संस्थान छात्रों को सामने आने वाली चूनातियों के नशील बना सकते हैं। वे उन्हें और सहायता प्रदान करने के भी प्रकाश डाल सकते हैं। प्लेटफॉर्म परिव्यक्त बुजुर्गों द्वारा दुर्दशा के बारे में जागरूकता हत्यापूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। कार्यक्रम, वृत्तचित्र और सोशल अभियान वास्तविक जीवन की ओर उत्तराग कर सकते हैं। उनमें और कार्बाई करने की तरा भी शामिल हो सकती है। हने के माध्यम से, ये माध्यम सहानुभूति पेंडा कर सकते हैं और व्यक्तियों को कार्बाई करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। यह धन उगाहने, स्वयंसेवा करने या गैर सरकारी संगठनों का समर्थन करने के माध्यम से हो सकता है। अच्छी तरह से सुसज्जित दीर्घकालिक देखभाल सुविधाओं और पुनर्वास केंद्रों की स्थापना से परिव्यक्त बुजुर्गों के लिए एक सुरक्षित आश्रय प्रदान किया जा सकता है। इन सुविधाओं में समग्र देखभाल, चिकित्सा सहायता, भावनात्मक परामर्श, मनोरंजक गतिविधियाँ और सामाजिककरण के अवसर शामिल होने चाहिए। सरकार, गैर सरकारी संगठनों और निजी संगठनों के बीच सहयोग से स्थायी देखभाल मॉडल तैयार किए जा सकते हैं जो बुजुर्गों की भलाई और गरिमा सुनिश्चित करते हैं। गुणवत्तापूर्ण देखभाल प्रदान करने के लिए पर्याप्त स्टाफिंग, देखभाल करने वालों के लिए विशेष प्रशिक्षण और इन सुविधाओं की नियमित निगरानी आवश्यक है। भारत में बुजुर्गों का परिव्याग एक चिंताजनक मुद्दा है जिस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। अंतर्निहित कारणों को समझना और फिर उन पहलों का समर्थन करना महत्वपूर्ण है जो परिव्यक्त बुजुर्ग व्यक्तियों को सहायता प्रदान करते हैं।

संवेदनशून्य व्यवस्था और चरम पर लालफीताशाही !



मनोज कुमार अग्रवाल

लखनऊ में एक युवा ईरिक्षण चालक ने अपने जीवन को इसलिए खत्म कर लिया क्योंकि लगभग 57 हजार हाउस टैक्स न जमा कर पाने के कारण नगर निगम ने उसके घर को सीज कर दिया था और उसका ई-रिक्षा भी उसी घर में बंद कर दिया गया था। जिसके जरिए वह अपने परिवार की रोटी जुटाता था। अपने जीविकोपार्जन का माध्यम भी मकान के भीतर सील कर दिया जाने से गरीब रिक्षा चालक

हत्या का केस दर्ज करने की मांग को लेकर हैदरगंज तिरहे पर शव रखकर प्रदर्शन किया। मृतक के भाई ने बाजारखाला पुलिस को तहरीर दी है। बाजारखाला के हैदरगंज वैरागी टोला निवासी शीतल कश्यप (34) ईरिक्षा चलाकर गुजारा करते थे। शीतल के परिवार के लोग शादी में उन्नाव गए थे। शीतल घर में अकेले थे। परिजनों का आरोप है कि शुक्रवार को नगर निगम की टीम ने 57 हजार रुपये गृहकर के बकाए का नोटिस चस्पा कर मकान सील कर दिया था। इससे सदमे में शीतल ने पिछले दरवाजे से घर में जाकर फांसी लगा ली।

ड़ा है। लोगों के मना करने के बजूद कर्मचारियों ने मकान ल कर दिया। कुछ देर बाद व शीतल घर पहुंचे तो उन्हें मकान सील होने की बात पता ली। कमाई का जरिया ईंटिकशा मकान के भीतर ही बंद हो गया था। इससे वह आहत थे। ईंट के अनुसार उनका मकान फ हजार वर्गफिट का है। इसकी परी मंजिल में बड़े भाई राजेश रेवर के साथ रहते हैं। नीचे मां लमती के साथ दोनों भाई रहते हैं। घर में पीछे की तरफ एक बाजा है। मेन गेट सील होने के द पिछले दरवाजे से घर में बाजाही हो रही है। पिछले दरवाजे से ही शीतल ने भीतर कर फांसी लगाई थी। यह बहुत ही ढ़ख्खद स्थिति है हैं लेकिन यह माध्यम ये बेरोजगार लोगों की रोजी-रोटी जरिया बन गए। बढ़ती बेरोजगारी और आवादी में इसने लोगों लिए सहूलियतें पैदा की और अलोगों के लिए कमाई के संसाधन पैदा किए। देश में जिस तरह द्विस्तरिय व्यवस्था है कि उसके तरफ लाखों करोड़ों का व्यापार लेकर लोग आराम से अपने व्यापार चलाते हैं कुछ लोग बैठक का करोड़ों अरबों खरबों का व्यापार लेकर विदेश भाग जाते हैं उनमें से बहां सुख सुविधायुक्त जीव जीते हैं वहीं देश के अन्दर वाले उद्योगपतियों का कर्ज एनकरके हजारों करोड़ की राशि खाते में डाल दी जाती है। वह ऐसा भी है कि उसका लालकीताशाही 28 हजार

रेगिस्तान के जहाज के उन्नयन और संरक्षण की आवश्यकता !



सुनील कुमार महला

रेगिस्तान के जहाज (द शिप ऑफ डेंजर्ट) के नाम से जाना जाने वाला, राजस्थान का रा ड य पशु (ऊंटों के राजस्थान ल 2014 में दिया था) राजस्थान की शान समझा गया और आने वाला जीवनरेखा पशु ऊंट का दिन खतरे में ह बात कहने वाली होगा कि न माने वाले सकता है कि चेत्रों, इंस्टरनेट आने वाली जर आएं। वाका कि थार के तान से लगती बाँड़र गाँड़िंग है, लेकिन यह नहीं है कि आज की संख्या रही है। बढ़ते विकास के कारण एवं चारे-पानी की कमी के कारण पशुपालकों का ऊंट पालन के प्रति मोह भंग होने लगा है। आज सीमा क्षेत्र में सड़कों का जाल बिछ चुका है, इसके कारण ऊंटों की इतनी आवश्यकता नहीं रही और पशुपालक इसे पालने में दिलचस्पी नहीं दिखा रहे और इन्हें खेल में छोड़ देते हैं। सीमा क्षेत्र में हालांकि सड़कों का जाल बिछ चुका है। इसके कारण ऊंटों की इतनी आवश्यकता नहीं है, सच तो यह है कि आज समय के साथ ऊंटों की उपयोगिता कम होने के कारण भी पशुपालकों ने ऊंट से मुँह मोड़ना शुरू कर दिया है। पर्यटन के क्षेत्र में भी आज ऊंटों का इस्तेमाल उतना नहीं किया जाता है, जितना कि पहले किया जाता था, क्यों कि पर्यटन में भी आजकल वाहनों का इस्तेमाल होने लगा है। कहना गलत नहीं होगा कि आज ऊंटों की संख्या कम होने का सबसे बड़ा कारण इसका परिवहन व खेती में उपयोग नहीं के बराबर या बहुत ही होना है। पर्यटन के क्षेत्र में जैसलमेर, जोधपुर के अलावा पश्चिमी राजस्थान में कहीं ऊंट का उपयोग पर्यटन क्षेत्र में आज नहीं हो सकता।

सभी को यह स्थान में ऊंट उपयोगिता व राजस्थान में विशेष स्थान राजस्थान के में ऊंट बल्कि खेती पूर्ति का भी है। राजस्थान में आज ऊंटों घट रही है। नार गत 47 लाख ऊंट इ बहुत ही भी है कि देश

आज कैमल सफारी के आयोजनों में पहले की तुलना में काफी कमी आई है। यदि हम यहां आंकड़ों की बात करें तो आंकड़ों के अनुसार राजस्थान में वर्ष 2012 में ऊंटों की संख्या 3.26 लाख थी, जो घट कर 2.13 लाख रह गई है। राजस्थान के अलावा गुजरात, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में भी ऊंट पाए जाते हैं, लेकिन सभी जगह ऊंटों की संख्या में गिरावट आई है। यह दुखद है कि राज्य पशु ऊंट के वध पर निषेध के बावजूद भी इसकी तस्करी जारी है। चोरों छिपे आज ऊंटों को (तस्करी कर)

केंद्र शासित
संख्या शून्य
ग, झारखण्ड,
, नागालैंड,
, चंडीगढ़,
दादरा नगर
दीव शामिल
विस्तार से
नोना, ऊटो के
रा, फूस और
से इनकी
का, कृषि का
मशीनीकरण
योगिता कम
वाहनों का
दलते परिवेश
ऊटों में त्वचा
री व अन्य
ा, ऊटों की
रण भी ऊटों
तार कमी आ

आज बूचड़खानों में ले जाया जा
रहा है।
विगत दशकों में राज्य पशु ऊट
की घटती संख्या चिंता का विषय
बनी हुई है। वास्तव में, इसके
सामाजिक व आर्थिक पक्ष भी है
और इसका सर्वाधिक दुष्प्रभाव
उन सामाजिक समूहों पर पड़ा है
जिनकी आजीविका का आधार
पशुपालन व पशुचारण रहा
है। आज से लगभग चार दशक
पहले देश में 11 लाख से अधिक
ऊट (नर व मादा) थे, जो वर्ष
2019 में घटकर ढाई लाख रह
गए। जानकारी देना चाहूंगा कि
20 वीं पशु गणना के अनुसार
1.70 लाख ऊटनी की तुलना में
केवल 80 हजार ऊट थे।
संवेदनशील है कि पशुपालन
विभाग द्वारा पशुगणना 2012 की
तुलना 2019 में ऊटों की संख्या
में 34.69 फीसदी कमी हुई है।



डॉ. सतेश कमार मि

दंडवत प्रणाम करने की
जगह उनसे उनका आधार कार्ड, हवा में उड़ने
का लायसेंस पूछ बैठा। नारद जी बोल उठे -
बैटा मैं जानता हूँ कि तुम व्यंग्य लिखते हो
इसका मतलब यह नहीं कि तुम मुझी पर अपने
व्यंग्यास्त्र साधो। मुझे तुम्हारे कुछ व्यंग्य पसंद
हैं। बस जानना यह चाहता हूँ कि क्या तुम सच
में विसंगतियाँ खोजकर व्यंग्य लिखते हो या फिर
ख्याली पुलावों से कोरा कागज काला करते हो।
मैंने नारद जी के सामने बड़ी विनम्रता से कहा
- मैं विसंगतियों की कामना करने वाला
व्यंग्यकार हूँ। कोई दिन बिना किसी हलचल के
एगर जाए तो बदनभर में खुजली होने लगती
है। मैं तो ऊपर वाले से प्राथमा करता रहता हूँ

जैसे को तैसा

छ ऐसा मसाला देना कि हिट हो जाए। नारद जी अपने एक अद्वय गतियों की कामना करना चाहता है और से उसे मसाला कहते हैं मैंने कहा - हे प्रभुवर मैं कहता हूँ जब कि सरकार नंगा करके पीटने पर भी को धर्म का रक्षक घोषित जगारी, महांगाई, लाचारी पाने के लिए धर्म का मुद्दा तो यूँही नहीं कर रहा हूँ। जान बचाने वाले डॉक्टर ने वाले कर्साई तक है। अब वही डॉक्टर जान जान बचाने की कोशिश पर वालों से लेकर गुन्डों पर तक तो तक है।

नारद जा आप ता सवज्ञाता ह, व
न मैं आपको अस्पताल की दुनिया
दिखा लाऊँ। सो अपनी बाइक में टंकी फुल उन्हें पैछे बिठा लिया और चल पड़ा। अस्पताल पहुँचते ही चूँहे डॉक्टरों और नर्सों से तेज तरह थे। मानो मरीजों को देखने की जिम्मेदारी इन्हीं पर है, इसीलिए डॉक्टर और नर्स दोनों फुर्सत में हैं। उन्हें इश्योरेस वाले मरीजों उतना ही प्यार है जितना कि बीवी के रपड़ोस वाली औरत से। रास्ते में स्कूल पर अध्यापक बच्चों को भैंस चराने के लिए भेजा खुद तीन पत्ती खेलने में मस्त थे। यह ते नारद जी ने बाइक रोकने के लिए कहा ३ पूछने लगे - ये अध्यापक यहाँ क्या कर रहे हैं?

नारद जी यह विद्यालय है - सरकारी विद्यालय। विद्यालय? नारद जी ने आश्चर्य पूछा यहाँ तो केवल अध्यापक हैं पर कोई हृनहीं - ये अध्यापक पढ़ाने की जगह ऐकौनसा महान काम कर रहे हैं?

इंदौर का प्रसिद्ध चिंतामण गणेश मंदिर

1200 साल पुराना यह मंदिर इंदौर के जूनी इंदौर क्षेत्र में स्थित है। भक्तों द्वारा भगवान गणेश को फोन और पत्र लिखने का सिलसिला पिछले 50 सालों से लगातार जारी है।

जब भगवान गणेश का चामत्कार देख भाग

खड़ा हुआ था औरंगजेब

इतिहास के पन्ने उलट पर पता चलता है कि इस मंदिर पर कभी औरंगजेब ने आक्रमण किया था, जैसे ही उसने मंदिर के मुख्य द्वार तोड़ा, तभी उसने भगवान गणेश का ऐसा चामत्कार देखा कि वह यहाँ से अपना पूरा सापाच्य समंकर भग गया।

भगवान फोन पर सुनते हैं भक्तों की अरदास

इंदौर का वो मंदिर जहाँ भगवान फोन पर सुनते हैं भक्तों की अरदास, जारैं- क्या है मान्यता ?

मंदिर के मुख्य पुजारी मनोहर लाल घाटक कहते हैं कि भारत के अलग-अलग हिस्सों और देश विदेशों से भगवान गणेश के भक्त उहाँ फोन करते हैं। पूजा-आरती के बजाए और उनका निश्चकरण भी करते हैं।

चिंतियां भी भजते हैं भगवान के भक्त पुजारी भक्तों के पास रख देते हैं और उन्हाँने कहा विदेशों में रह रहे कई भक्त भगवान को चिंती भी लिखते हैं



है। इस चिंती को पंडित जी भगवान गणेश के सामने पढ़ते हैं। पुजारी कहते हैं कि चिंती भेजने का यह सिलसिल पिछले 50 सालों से लगातार जारी है। वह बताते हैं कि यदि भगवान गणेश ने पत्र में लिखे काट को सुन लिया तो श्रद्धालु की मनोकामना जरूर पूर्ण होती है। मनोहर लाल बताते हैं कि यह देश का इकलौता ऐसा मंदिर है जहाँ भगवान मोबाइल और पत्र के माध्यम से लोगों की समस्याओं को सुनते हैं। पंडित बताते हैं कि मंदिर में भगवान गणेश के दर्शन करने के लिए हर रोज देश के कोने-कोने से श्रद्धालु आते हैं।

हर रोज आर्ही 100 से अधिक चिंतियां

मनोहर लाल ने बताया कि इस बत्त जोगाना 100 से ज्यादा पत्र दर्शाएँ में आ रहे हैं। पत्रों को लेकर उन्होंने एक रोचक बात भी बताई। उन्होंने बताया कि अधिकांश पत्रों में चिंती होती है कि वेटी की शादी विसी डॉक्टर या विजेन्समैरी हो जाए, वेटी की बुरी संभाव छूट जाए।

गैरतलब वह कहता है कि चिंतामण गणेश मंदिर को पहले चिंती वाले गणेश कहा जाता था लेकिन अब यह मंदिर मोबाइल वाले चिंतामण गणेश मंदिर के नाम से जाना जाता है।

मां नर्मदा ने शादी न करने का लिया फैसला और पश्चिम की ओर लगी बहने



पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार भगवान शिव मैखल पर्वत में तपस्या में लीन थे, तब उनके पसंदे से नर्मदा का जन्म हुआ। नर्मदा ने प्रकट होते ही अलौकिक सौंदर्य से ऐसी चमकारी लीलाएं दिखाई कि खुद शिव-पार्वती हैरान हो गए। तभी उस कन्या का नाम नर्मदा रखा।

जिसका अर्थ होता है, सुख प्रदान करने वाली। इसका एक नाम रेवा भी है, लेकिन नर्मदा ही सर्वमान्य है। शिव जी ने उस कन्या को आशीर्वाद देते हुए कहा कि जो भी तम्हारे दर्शन करेगा, उसे भौतिक सूखों की प्राप्ति होगी। वह मैखल पर्वत पर उपन्ह दूर्थी थीं, इसलिए वह मैखल राज की पुत्री भी कहलाती हैं।

एक अन्य पौराणिक कथा के अनुसार, जब मां नर्मदा बड़ी हुई तो उनके पिता मेखला राज के मन में उनके विवाह का विचार आया। उन्होंने उनका विवाह राजकुमार सोनभद्र से तथा कर दिया। तब एक दिन अचानक मां नर्मदा के मन में राजकुमार से मिलने की इच्छा प्रकट हुई तब राजकुमार से मिलने के लिए उन्हें एक दासी की भेजा। दासी ने राजसी गहने पहने हुए थे। तब राजकुमार सोनभद्र ने दासी को रानी समझकर उनसे शादी कर ली। काफी समय गुजर जाने के बाद दासी के वापस न आने पर मां नर्मदा खुद ही राजकुमार को मिलने चली गई। दासी को राजकुमार के साथ देखकर मां नर्मदा बहुत दुखी हो गई। तब उन्होंने शादी न करने का फैसला किया।

यह भी कहा जाता है कि उसके बाद मां नर्मदा पश्चिम की तरफ चली गई और कभी भी वापस नहीं लौट कर आई। इसलिए आज भी मां नर्मदा पश्चिम की ओर बहती है।

जो जिंदगी में सत्य है, उसे छिपाने का कोई कारण नहीं है



सत्य है, वह सत्य है—चाहे हम अंख बंद करें, चाहे अंख खुली रखें।

और एक बात मैं जानता हूं धार्मिक आदमी मैं उसको कहता हूं जो जीवन के सारे सत्यों को सीधा साक्षात्कार करने की हिम्मत रखता है। जो इतने कामज़र, काहिल और नमुनक हैं कि जीवन के तथ्यों का सामना भी नहीं कर सकते, उनके धार्मिक होने की कोई उम्मीद कभी नहीं हो सकती है।

ये आने वाले चार दिनों के लिए निमत्रण देता हूं। क्योंकि ऐसे विषय पर यह बात है कि शायद ऋषि-विषयों से आशा नहीं रही है कि ऐसे विषयों पर वे बात करें। शायद आपको सुनने की आदान भी नहीं होगी। शायद आपका मन डरेगा। लेकिन किसी भी मैं चाहूंगा कि बहुत गैर से सुन लेंगे, ताकि मेरे संबंध में कोई गलतफहमी पूछे आपको पैदा न हो जाए।

और जो भी प्रश्न हो—ईमानदारी से और सच्चे-उहाँ लिख कर दें। क्योंकि आने वाले पिछले दो दिनों में उनकी आप से सीधी-सीधी बात कर सकते हैं। किसी प्रश्न को छिपाने की ज़रूरत नहीं है। जो छिपाने के संबंध में सचाई है, उसे छिपाने का कोई कारण नहीं है। किसी सत्य से मुकरने की ज़रूरत नहीं है। जो आपको मन डरेगा। लेकिन किसी भी मैं चाहूंगा कि इन पांच दिनों में आप ठीक से सुनने की कोशिश करेंगे। यह ही सकता है अपनी शक्तियों को समझ कर रूपांतरित करने से। आने वाले दो दिनों में, कैसे रूपांतरित किया जा सकता है सेक्स, कैसे रूपांतरित हो जाने के बाद काम के अनुभव में बदल जाता है, वह मैं आपसे बात करूँगा। और तीन दिन तक चाहूंगा कि बहुत गैर से सुन लेंगे, ताकि मेरे संबंध में कोई गलतफहमी पूछे आपको पैदा न हो जाए।

मेरी बातों को इतने प्रेम और शांति से सुना, उसके लिए अनुहानित हूं। और अंत में सबके भीतर बैठे हुए परमात्मा को प्रणाम करता हूं, मेरे प्रणाम स्वीकार करें। (समाप्त)

दुःख और दरिद्रता से बचना चाहते हैं तो घर में बनाएं इस तरह का माहौल

एक सेट के चार बेटों की चार बहुं आई। वे आपस में रोज लड़ा-झगड़ा करती थीं। दिन-रात गृह कलह मचा रहता। इससे बिन्ह हीकर लक्ष्मी जी ने वहाँ से चले जाने की ठानी। रात को लक्ष्मी जी ने सेठ को स्वप्न में आकू कहा कि अब मैं जा रही हूं। यह कलह मझसे नहीं देखी जाती। जहाँ ऐसे लड़ने-झगड़ने वाले लोग रहते हैं वहाँ मैं नहीं रह सकती।

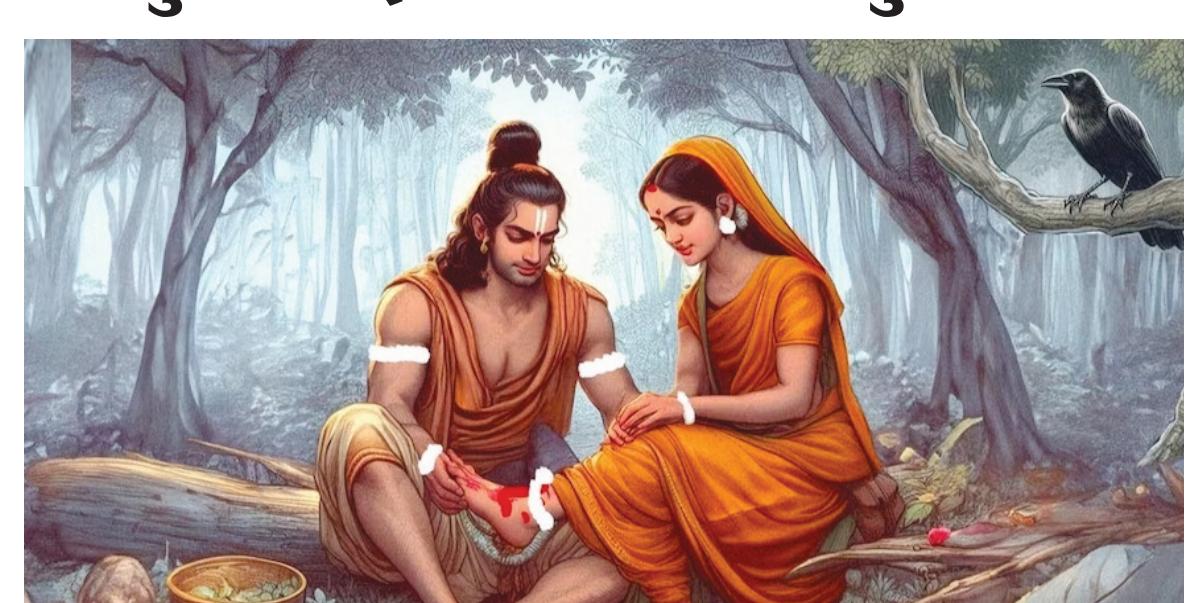
सेठ रोते हुए लक्ष्मी जी के पैरों से लिपट गया और कह— मैं आपका अनन्य भवति हूं। मुझे छोड़कर आप न जाओ। लक्ष्मी जी वहाँ से चले जानी। रात को लक्ष्मी जी ने सेठ को स्वप्न में आकू कहा कि अब मैं जा रही हूं। यह कलह मझसे नहीं देखी जाती। जहाँ ऐसे लड़ने-झगड़ने वाले लोग रहते हैं वहाँ मैं नहीं रह सकती।

सेठ रोते हुए लक्ष्मी जी के पैरों से लिपट गया और कह— मैं आपका अनन्य भवति हूं। मुझे छोड़कर आप न जाओ। लक्ष्मी जी वहाँ से चले जानी। रात को लक्ष्मी जी ने सेठ को स्वप्न में आकू कहा कि अब मैं जा रही हूं। यह कलह मझसे नहीं देखी जाती। जहाँ ऐसे लड़ने-झगड़ने वाले लोग रहते हैं वहाँ मैं नहीं रह सकती।

सेठ ने कहा, “आप यह वरदान दें कि मेरे घर के सब लोगों में प्रेम और एकता बनी रहे।” वरदान देने के बाद लक्ष्मी जी वहाँ से चली गई। दूसरे दिन से ही वह लोग प्रेमपूर्वक रहने लगे। एक दिन धनिक ने स्वप्न में देखा कि लक्ष्मी जी घर मैं फिर वापस आ गई है। उसने उन्हें प्रणाम किया और पुनः प्रधाने के लिए धन्यवाद दिया।

मां लक्ष्मी ने कहा, “इसमें धन्यवाद की कोई ज़रूरत नहीं है। जहाँ एकता होती है वहाँ तो मैं बिना लुप्त रह जाऊँ। जो लोग दरिद्रता से बचना चाहते हैं और घर से लक्ष्मी को नहीं जाने देना चाहते हैं उन्हें अपने घर में कलह की परिस्थितियों उत्पन्न नहीं होने दी जाए।”

जब सीता को घोट पहुंचाने पर इंद्र के बेटे को दिया प्रभु राम ने दंड



भरतजी-शत्रुघ्नजी और तीनों मातां अयोध्या लौट चुके हैं। सब लोग श्रीरामचंद्रजी के दर्शन के लिए नियम और उपवास करने लगे। वे भूषण और भोग-सुखों को छोड़-छाड़कर अवधि की आशा पर जी रहे हैं। भरतजी ने मन्त्रियों और विश्वासी सेवकों को समझाकर उद्यत किया। वे सब सीधे पाकर आने-अपने काम में लग गए। फिर छोटे भाई शत्रुघ्नजी को बुलाकर शिशा दी और सब माताओं की सेवा उनको सौंपी। ब्राह्मणों को बुलाकर भरतजी ने हाथ जोड़कर प्रणाम कर अवस्था के अनुसार विनय और निहोरा किया कि आप लोग ऊँचा-नीचा, अच्छा-मन्दा जो कुछ भी कार्य हो, उसके लिए आज्ञा दीजिए। भरतजी ने फिर परिवार के लोगों को नागरिकों को तथा अन्य प्रजा को बुलाकर उनका समाधान करके उनको सुखपूर्वक बसाया। फिर छोटे भाई शत



स्वतंत्र वार्ता, हैदराबाद

क्या आप व्याकुलता और बेघनी की समस्या से ज़्यूझ रहे हैं

जब कभी आपके दिमाग में कोई नया विचार आता है तो सबसे पहले क्या आप यह सोचते हैं कि इसमें क्या गलत हो सकता है? जब कभी संवाद अस्पष्ट होता है, तो क्या सबसे पहले आपके मन में कोई नकारात्मक विचार आते हैं? अगर ऐसा है, तो आप अपने विचारों को बदलना सीधे सकते हैं जिससे कि वो आपकी सोच को सीमित न कर दें। काम के दौरान होने वाली व्याकुलता और बेघनी कैसे परेशानी का सब बनती हैं और इससे कैसे बचा जा सकता है, यहाँ जानिए?

लोगों के प्रति मन ने गलत

धारणा बनाते हैं

ज्यादातर वेचेन लोगों के मन में यह चलता रहता है कि लोग उर्वर पसंद करते हैं और न ही उनके हुनर की काफ़िर करते हैं। उनके मन में खुट्टे को लेकर कोई असहज या उदास करते कहे-अच्छी बात है, मैं इन बिंदुओं पर विचार करूँगा।



असफलता का सचक भी मानते हैं। वो मानते हैं कि फोड़बैक उनकी नाकामी को साबित करने का एक जरिया मात्र है। यह देखे कि आप किस तरह फोड़बैक लेना पसंद करते हैं। औपनि फोड़बैक लेने का सबसे आसान तरीका खोना। अगर फोड़बैक आपको असहज या उदास करते कहे-अच्छी बात है, मैं इन बिंदुओं पर विचार करूँगा।

सफलता की हड्डी बचने की

कोशिश करते हैं

वेचेन लोग फोड़बैक को विपत्ति की तरह देखते हैं। वो मानते हैं कि क्या विचार ने आपकी वजह के ही नकारात्मक हो रहे हैं। ध्यान दें कि कब आप बिना किसी ठोस सबूत के ही अपनी धारणाएं बनाने लगते हैं।

फोड़बैक से हड्डी बचने की

कोशिश करते हैं

वेचेन लोग फोड़बैक को विपत्ति की तरह देखते हैं। वो उसे अपनी

चाय का बर्तन हो गया है गंदा, इस तरीके से करें साफ



भारतीय घरों में रसोई की जानकारी इस्तेमाल भी होती है। हर घरों के बर्तन जाते हैं तथा इसके बाहर भी रसोई की जाती है। पर, लाख कोशिशों के बाद भी रसोई के बर्तन जिपचिपे हो जाते हैं। कई बर्तन ऐसे होते हैं, जिनका इस्तेमाल भी काफ़ी होता है। इनमें शामिल हैं यह काफ़ी अहमियत रखती है। अगर आपकी धारायी धर्यों में सबसे ज्यादा चाहते हैं तो आप इसके बाहर असहज या उदास करते कहे-अच्छी बात है, मैं इन बिंदुओं पर विचार करूँगा।

नए विचारों पर नकारात्मक

प्रतिक्रिया देते हैं

अगर नए विचारों पर आपकी पहली प्रतिक्रिया रिस्क और फोड़बैक लेने का सबसे आसान तरीका खोना। अगर फोड़बैक आपको एक नकारात्मक व्यक्ति की तरह देखने की कोशिश करें तब यह देखने की लोगों में असहज या उदास करते कहे-अच्छी बात है, मैं इन बिंदुओं पर विचार करूँगा।

त्वारित बन ने गुरुकल

त्वारित बन जाते हैं

वेचेन लोग अक्सर उन चीजों से बचना चाहते हैं, जो उर्वर असहज करती हैं और फिर वो अपने रवैये से सर्विंदा भी होते हैं। जैसे किसी ईमेल का जवाब देने में असहज महसूस कर सकते हैं तो टायलमटोल करने लगते हैं। इससे आपके गैर जिम्मेदार होने की तरह देखते हैं। वो मानते हैं कि उस नए विचार के बाद भी सफ

बनाने वाले बर्तन के चारों तरफ सोडा डालकर पांच मिनट के लिए इसे ऐसे ही छोड़ दें। अब इसे डिशवोश और पानी से साफ कर लें। इससे बर्तन की गंदगी साफ हो जाएगी।

बर्तन पर रुग्ण नींबू

चाय के गंदे बर्तन पर अगर आप नींबू रागड़ होता है। अगर आप धारायी धर्यों में सबसे ज्यादा चाहते हैं तो आपको इसको इस्तेमाल करने से इसके नीचे का हिस्सा जल जाता है। इसना ही नहीं कई बार तो बर्तन के बाजाय यह देखने की कोशिश करें कि उस नए विचार से क्या बेहतर हो सकता है। इसके बाद ही नहीं कई बार अपनी चिंता व्यक्त करें। लेकिन आखिर में अपनी बात को सकारात्मक नोट पर ख्वास करें। जैसे किसी ईमेल का जवाब देने में असहज महसूस कर सकते हैं तो टायलमटोल करने लगते हैं। इससे आपके गैर जिम्मेदार होने की तरह देखते हैं। जैसे यह बर्तन पर रुग्ण हो जाएगा।

सिलें का काँच इत्तेगाल

चाय के जले हुए बर्तन को साफ करने के लिए आप उसमें सिरका और बेकिंग सोडा का इस्तेमाल वैसे तो खाने में किया जाता है, पर आप इसे चाय का बर्तन साफ करने के लिए भी यूज कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले चाय का बर्तन साफ हो जाएगा।

पति-पत्नी के रिश्ते को और ज्यादा मजबूत बनाता है झागड़ा

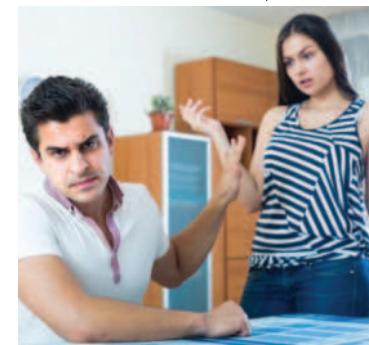
पति-पत्नी के बीच का रिश्ता बेहद खास होता है। इस रिश्ते में किसी तीसरे के बीच में आने की कोई गुंजाइश नहीं होती। पर, कई बार ऐसा होता है कि पति-पत्नी के बीच होने वाले झागड़े को लोग काफ़ी गलत तरीके से ले लेते हैं। जबकि उनके बीच होने वाला झागड़ा सकती है।

दिखती है एक दूसरे की केयर

लड़ाइ के बक्तव्य हम अक्सर एक दूसरे को कह देते हैं कि आपको हमारी फिक्र नहीं है। पर, जब लड़ाइ होती है तो उसके बाद जब आपका पार्टनर आपकी केयर करता है तो इससे आपका दिल भी पिघल जाता है।

बाहर आती है दिल की बात

कई बार गुस्से में हम वो बाल देते हैं तो



इससे आपका रिश्ते हुए नहीं बोल पाते। पति-पत्नी के रिश्ते में अक्सर लोग लड़ाइ से बचने की लिए बातों को मन में रखते हैं।

इससे चीजें और खबर हो जाती हैं। झागड़े के बक्तव्य मन को बातें बार आती हैं, जिससे रिश्ता और मजबूत होता है।

बढ़ना हो गया

जब पति-पत्नी के बीच झागड़ा होता है और लड़ाइ शांत होते को बाद जब वो बात करते हैं, और जींजों को मुलाकात होती है तो इससे उनके बीच चिंता व्यक्त करें। लेकिन आखिर में अपनी बात को सकारात्मक नोट पर ख्वास करें। जैसे किसी ईमेल का जवाब देने में असहज महसूस कर सकते हैं तो टायलमटोल करने लगते हैं। इससे आपके गैर जिम्मेदार होने की तरह देखते हैं।

झागड़े में सामने आता है असली त्वारित

त्वारित

झागड़े में इंसान का असली व्यवहार सामने आता है। इससे लोगों की अनर्फिल्टर्ड भावनाएं भी सामने आती हैं, जो पति-पत्नी के रिश्ते को मजबूत बनाते हैं।

त्वारित

झागड़े में इंसान का असली व्यवहार सामने आता है। इससे लोगों की अनर्फिल्टर्ड भावनाएं भी सामने आती हैं, जो पति-पत्नी के रिश्ते को मजबूत बनाते हैं।

त्वारित

झागड़े में इंसान का असली व्यवहार सामने आता है। इससे लोगों की अनर्फिल्टर्ड भावनाएं भी सामने आती हैं, जो पति-पत्नी के रिश्ते को मजबूत बनाते हैं।

त्वारित

झागड़े में इंसान का असली व्यवहार सामने आता है। इससे लोगों की अनर्फिल्टर्ड भावनाएं भी सामने आती हैं, जो पति-पत्नी के रिश्ते को मजबूत बनाते हैं।

त्वारित

झागड़े में इंसान का असली व्यवहार सामने आता है। इससे लोगों की अनर्फिल्टर्ड भावनाएं भी सामने आती हैं, जो पति-पत्नी के रिश्ते को मजबूत बनाते हैं।

त्वारित

झागड़े में इंसान का असली व्यवहार सामने आता है। इससे लोगों की अनर्फिल्टर्ड भावनाएं भी सामने आती हैं, जो पति-पत्नी के रिश्ते को मजबूत बनाते हैं।

त्वारित

झागड़े में इंसान का असली व्यवहार सामने आता है। इससे लोगों की अनर्फिल्टर्ड भावनाएं भी सामने आती हैं, जो पति-पत्नी के रिश्ते को मजबूत बनाते हैं।

त्वारित

झागड़े में इंसान का असली व्यवहार सामने आता है। इससे लोगों की अनर्फिल्टर्ड भावनाएं भी सामने आती हैं, जो पति-पत्नी के रिश्ते को मजबूत बनाते हैं।

त्वारित

झागड़े में इंसान का असली व्यवहार सामने आता है। इससे लोगों की अनर्फिल्टर्ड भावनाएं भी सामने आती हैं, जो पति-पत्नी के रिश्ते को मजबूत बनाते हैं।

त्वारित

झागड़े में इंसान का असली व्यवहार सामने आता है। इससे लोगों की अनर्फिल्टर्ड भावनाएं भी सामने आती हैं, जो पति-पत्नी के रिश्ते को मजबूत बनाते हैं।

त्वारित

झागड़े में इंसान का असली व्यवहार सामने आता है। इससे लोगों की अनर्फिल्टर्ड भावनाएं भी सामने आती हैं, जो पति-पत्नी के रिश्ते को मजबूत बनाते हैं।

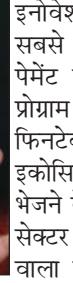


फिनेटक कंपनियों के सीईओज से मुलाकात करेंगी वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण, पेटीएम पर एक्शन का असर

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। रिजिव बैंक के साथ केंद्र सरकार भी पेटीएम क्राइसिस पर काफी सीरियस है। पेटीएम की ओर से नियमों का पालन ना करने करने के लिए कार्रवाई हुई है। आरबीआई इस मामले में पूरी तरह से सख्त है। सरकार भी इस मामले में कार्रवाई बरने को तैयार नहीं है। दूसरी ओर देश की दूसरी फिनेटक कंपनियों में भी काफी डर समा गया है। हर किसी के दिमाग में यही बात धूम रही है कि अब काफी और फिनेटक कंपनी का तो नंबर नहीं है। यही कारण है कि देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश की सभी फिनेटक कंपनियों के हेड के साथ मीटिंग करने का फैसला किया जाएगा। इस मीटिंग में भी काफी डर समा गया है। हर किसी के दिमाग में यही बात धूम रही है कि अब काफी और फिनेटक कंपनी का तो नंबर नहीं है। यही कारण है कि देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश की सभी फिनेटक कंपनियों के हेड के साथ मीटिंग करने का फैसला किया जाएगा।



वित्त मंत्री ने इसलिए बुलाई मीटिंग मीडिया रिपोर्ट में सरकार के टॉप ऑफिशियल ने नाम ना बताते हुए बहात कि इस मीटिंग में इस बात को समझने की कोशिश की जाएगी कि आधिकार फिनेटक कंपनियों के अंदर किस बात का डर समाया हुआ है। साथ उन लोगों को पूरी तरह से आश्वस्त करना है और उनके अंदर के डर को निकलना है। वित्त, सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और उद्योग संबंधन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआई) के अधिकारी अगले सोमवार को होने वाली बैठक में भाग लेंगे। फिनेटक और फिनेटक में आरबीआई के टॉप ऑफिशियल भी मौजूद रहेंगे। यह बैठक फिनेटक उद्योग को आश्वस्त करने के लिए एक गहरा गहरा है कि यह क्षेत्र सरकार के लिए एक प्रमुख प्राथमिकता बना हुआ है और आरबीआई की कार्रवाई के महेनजर किसी भी चिंता को दूर किया जाएगा।



वित्त मंत्री ने इसलिए बुलाई मीटिंग मीडिया रिपोर्ट में सरकार के टॉप ऑफिशियल भी जारी किया गया। 2018 के बाद से पेटीएम के खिलाफ यह तीसरी रेस्युलेटरी एक्शन था।

स्टार्टअप फाउंडर्स ने की थी ये घटनाएँ

इसके बाद, स्टार्टअप फाउंडर्स के एक समूह ने पेटीएम क्राइसिस पर आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर अधिकारियों से रेस्युलेटरी डायरेक्टर की "मीटिंग" और "पुनर्विचार" करने का आग्रह किया। 16 फरवरी को आरबीआई ने पेटीएम पेटेंट्स बैंक के कस्टमर्स को सामान्य वैकिंग सेवाओं पर 15 मार्च तक दो लाख करोड रुपये से अधिक क्रैशन की समय सीमा बढ़ाने की अनुमति दी थी। नोट पर पॉलिसीबाजार के यशोश दिवाह, भारत मैट्रिमोनी के मुख्यावेल जानकीरमन, मेकमाइंट्रिप के राजेश मायगे और इनाओउ के रितेश मलिक सहित कई फाउंडर्स द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे।

वित्त मंत्री ने इसलिए बुलाई मीटिंग में भी काफी डर समा गया है। हर किसी के दिमाग में यही बात धूम रही है कि अब काफी और फिनेटक कंपनी का तो नंबर नहीं है। यही कारण है कि देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश की सभी फिनेटक कंपनियों के हेड के साथ मीटिंग करने का फैसला किया जाएगा।



के नियांत पर रोक लगा दी थी।

नियांत पर प्रतिबंध नहीं हटाया

उपरोक्ता भारतों के सीधी रोहित कुमार सिंह ने मीडिया रिपोर्ट में कहा कि व्याज नियांत पर प्रतिबंध नहीं हटाया गया है। यह जारी है। मौजूदा वित्तमें कोई बदलाव नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार की कोमिटी को नियंत्रण में रखने और घेरेल उपलब्धता सुनिश्चित करने की कोशिश जारी है। सरकार ने आठ दिसंबर 2023 को 31 मार्च तक व्याज

नियांत प्रतिबंध हटाने की खबरों के बीच देश के सबसे बड़े थोक व्याज बाजार लासलगांव में 19 फरवरी को थोक व्याज की कोमिटे 40.62 फीसदी बढ़कर 1,800 रुपये प्रति विवर्तन हो गई, जो 17 फरवरी को 1,280 रुपये प्रति विवर्तन थी।

व्याज का उत्पादन कम होने की संभावना स्त्रीों ने बताया कि 31 मार्च के बाद आम चुनाव से पहले भी प्रतिबंध हटाएं। जाने की सभावना नहीं है क्योंकि रबी (सर्दियों) व्याज का उत्पादन विशेष रूप से महाराष्ट्र में कम कवरेज के कारण कम होने की आशंका है। वर्ष 2023 के रबी सीजन में व्याज का उत्पादन 2.27 रुपये टन होने का अनुमान लगाया गया है। क्षुभि मंत्रालय के अधिकारी आने वाले दिनों में प्रमुख उत्पादक ग्राज्यों महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात में रबी व्याज करवेज का आकलन करेंगे।

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। व्याज की कोमिटों में फिर से इजाका होने से सरकार में हलचल पैदा हो गई है। महंगाई बड़ी मुश्किल से कंट्रोल में आई है। लोकसभा चुनाव सिर पर है। ऐसे में महंगाई पर सरकार कुछ ज्यादा ही सजग हो गई है। ऐसे में जैसे ही सुबह तो याज की कोमिटों में इजाके के बाद तो याज की कोमिटों नाम आई है। साथ ही यह कहा गया कि व्याज की कोमिटों में इजाके के बाद तो याज की कोमिटों नाम आई है। साथ ही यह कहा गया कि व्याज की कोमिटों में इजाके के बाद तो याज की कोमिटों नाम आई है।

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। व्याज की कोमिटों में फिर से इजाका होने से सरकार में हलचल पैदा हो गई है। लोकसभा चुनाव सिर पर है। ऐसे में महंगाई पर सरकार कुछ ज्यादा ही सजग हो गई है। ऐसे में जैसे ही सुबह तो याज की कोमिटों में इजाके के बाद तो याज की कोमिटों नाम आई है। साथ ही यह कहा गया कि व्याज की कोमिटों में इजाके के बाद तो याज की कोमिटों नाम आई है। साथ ही यह कहा गया कि व्याज की कोमिटों में इजाके के बाद तो याज की कोमिटों नाम आई है।

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। व्याज की कोमिटों में फिर से इजाका होने से सरकार में हलचल पैदा हो गई है। लोकसभा चुनाव सिर पर है। ऐसे में महंगाई पर सरकार कुछ ज्यादा ही सजग हो गई है। ऐसे में जैसे ही सुबह तो याज की कोमिटों में इजाके के बाद तो याज की कोमिटों नाम आई है। साथ ही यह कहा गया कि व्याज की कोमिटों में इजाके के बाद तो याज की कोमिटों नाम आई है।

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। व्याज की कोमिटों में फिर से इजाका होने से सरकार में हलचल पैदा हो गई है। लोकसभा चुनाव सिर पर है। ऐसे में महंगाई पर सरकार कुछ ज्यादा ही सजग हो गई है। ऐसे में जैसे ही सुबह तो याज की कोमिटों में इजाके के बाद तो याज की कोमिटों नाम आई है। साथ ही यह कहा गया कि व्याज की कोमिटों में इजाके के बाद तो याज की कोमिटों नाम आई है।

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। व्याज की कोमिटों में फिर से इजाका होने से सरकार में हलचल पैदा हो गई है। लोकसभा चुनाव सिर पर है। ऐसे में महंगाई पर सरकार कुछ ज्यादा ही सजग हो गई है। ऐसे में जैसे ही सुबह तो याज की कोमिटों में इजाके के बाद तो याज की कोमिटों नाम आई है। साथ ही यह कहा गया कि व्याज की कोमिटों में इजाके के बाद तो याज की कोमिटों नाम आई है।

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। व्याज की कोमिटों में फिर से इजाका होने से सरकार में हलचल पैदा हो गई है। लोकसभा चुनाव सिर पर है। ऐसे में महंगाई पर सरकार कुछ ज्यादा ही सजग हो गई है। ऐसे में जैसे ही सुबह तो याज की कोमिटों में इजाके के बाद तो याज की कोमिटों नाम आई है। साथ ही यह कहा गया कि व्याज की कोमिटों में इजाके के बाद तो याज की कोमिटों नाम आई है।

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। व्याज की कोमिटों में फिर से इजाका होने से सरकार में हलचल पैदा हो गई है। लोकसभा चुनाव सिर पर है। ऐसे में महंगाई पर सरकार कुछ ज्यादा ही सजग हो गई है। ऐसे में जैसे ही सुबह तो याज की कोमिटों में इजाके के बाद तो याज की कोमिटों नाम आई है। साथ ही यह कहा गया कि व्याज की कोमिटों में इजाके के बाद तो याज की कोमिटों नाम आई है।

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। व्याज की कोमिटों में फिर से इजाका होने से सरकार में हलचल पैदा हो गई है। लोकसभा चुनाव सिर पर है। ऐसे में महंगाई पर सरकार कुछ ज्यादा ही सजग हो गई है। ऐसे में जैसे ही सुबह तो याज की कोमिटों में इजाके के बाद तो याज की कोमिटों नाम आई है। साथ ही यह कहा गया कि व्याज की कोमिटों में इजाके के बाद तो याज की कोमिटों नाम आई है।

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। व्याज की कोमिटों में फिर से इजाका होने से सरकार में हलचल पैदा हो गई है। लोकसभा चुनाव सिर पर है। ऐसे में महंगाई पर सरकार कुछ ज्यादा ही सजग हो गई है। ऐसे में जैसे ही सुबह तो याज की कोमिटों में इजाके के बाद तो याज की कोमिटों नाम आई है। साथ ही यह कहा गया कि व्याज की कोमिटों में इजाके के बाद तो याज की कोमिटों नाम आई है।

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। व्याज की कोमिटों में फिर से इजाका होने से सरकार में हलचल पैदा हो गई है। लोकसभा चुनाव सिर पर है। ऐसे में महंगाई पर सरकार कुछ ज्यादा ही सजग हो गई है। ऐसे में जैसे ही सुबह तो याज की कोमिटों में इजाके के बाद तो याज की कोमिटों नाम आई है। साथ ही यह कहा गया कि व्याज की कोमिटों में इजाके के बाद तो याज की कोमिटों नाम आई है।

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। व्याज की कोमिटों में फिर से इजाका होने से सरकार में हलचल पैदा हो गई है। लोकसभा चुनाव सिर पर है। ऐसे में महंगाई पर सरकार कुछ ज्यादा ही सजग हो गई है। ऐसे में जैसे ही सुबह तो याज की कोमिटों में इजाके के बाद तो याज की कोम

जल्द मिलेगी सस्ती बिजली सीएम भजनलाल के प्रयास को मिली सफलता

जयपुर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में जल्द सस्ती बिजली मिलेगी। सीएम भजनलाल शर्मा के प्रयास सफल हो रहे हैं। प्रदेश में तोन हजार मेगावट सस्ती बिजली का इंतजाम होगा। इसके लिए सोलर और थर्मल पावर प्लॉट विकसित करने से लेकर अतिरिक्त कायले का इंतजाम होगा।

राजस्थान में सस्ती बिजली लाने के लिए राज्य सरकार ने कदम बढ़ा दिए हैं। केंद्र सरकार के सहयोग से राजस्थान में 2500 से 3000 मेगावट क्षमता तक की सस्ती बिजली मिल सकेगी। इसके लिए राजस्थान में केंद्र और राज्य सरकार के संयुक्त प्रयास से सोलर पावर प्लॉट लगाने की कायाद शुरू हो गई है। साथ ही



कोल इंडिया कंपनी के जरिए अतिरिक्त कोयला भी मिलेगा, जिससे स्थानीय थर्मल पावर प्लॉट की क्षमता के अनुसार बिजली उत्पादन बढ़ाया जा सकेगा। ऐसा होने पर एक्सचेंज से महंगी बिजली खरीदने की नीवत कम आएगी। बताया जा रहा है कि

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उर्जा मंत्री हारालाल नागर सस्ती बिजली उत्पादन के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। पिछले दिनों दिल्ली में केन्द्रीय मंत्री प्रधान जोशी के साथ हुई बैठक में भी सीएम ने अतिरिक्त कोयला आवंटन की जरूरत जताइ थी।

